30 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

मास्टर आलमाइटी अथोरिटी होने का अनुभव

➢➢ मैं खुशनसीब आत्मा हूँ..

➳_ ➳ श्रेष्ठ भाग्यवान हूँ...

➳_ ➳ बाप दादा के कर्तव्य में सहयोगी हूँ...

➳_ ➳ बाप के स्नेह में

➳_ ➳ लगन में मगन हूँ...

➳_ ➳ सबको स्नेह और सहयोग के प्रकम्पन दे रही हूँ...

→ सदा अपने श्रेष्ठ स्वमान की सीट पर स्थित हूँ...

→ मैं डबल लाईट फ़रिश्ता हूँ...

→ बापदादा के दिल तख़्त पर आसीन हूँ...

→ अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूल रही हूँ...

→ मैं स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूँ...

→ सभी कर्मेन्द्रियों को श्रीमत प्रमाण चला रही हूँ...

→ मैं मास्टर सर्व शक्तिवान आत्मा हूँ...

→ मास्टर आलमाइटी अथोरिटी हूँ...

■ मैं किसी भी स्वभाव संस्कार के वश नहीं हो सकती...

■ ड्रामा के हर सीन को मैं साक्षी होकर देख रही हूँ...

■ मैं दुसरो को बदलने की बजाय स्वयम के परिवर्तन पर ध्यान दे रही हूँ...

▶ मैं बाप समान बन रही हूँ...

▶ कल्याणकारी पिता की सन्तान मैं आत्मा भी विश्व कल्याणकारी हूँ...

▶ मैं सर्व को स्नेह दे रही हूँ...

▶ सहयोग दे रही हूँ...

▶ सर्व के प्रति शुभ भावना ही समायी हुई है..